

'स्वास्थ्य जांच एवं सामाजिक सुरक्षा' कार्यक्रम

वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को समर्पित एक प्रेरणादायक पहल

13 April, 2025

पटना के बेली रोड स्थित अम्बेडकर पथ पर स्थित रामजी पैलेस में हाल ही में आयोजित 'स्वास्थ्य जांच एवं सामाजिक सुरक्षा' कार्यक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया कि हमारे समाज में बुजुर्गों की देखभाल अब सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक सशक्त सामाजिक जिम्मेदारी बन चुकी है। इस प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन सिक्सटी प्लस केयर एंड रिसर्च फाउंडेशन के तत्वधान में Citizen's Action Group , Patna द्वारा किया गया, जो वर्षों से वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उद्देश्य और दृष्टिकोण



कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न केवल बुजुर्गों के स्वास्थ्य की जांच करना था, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान और गरिमा को बनाए रखना भी इसका एक प्रमुख लक्ष्य था।

आधुनिक समय में जब परिवारिक संरचना तेजी से बदल रही है और एकल परिवार का चलन बढ़ रहा है, ऐसे में अनेक वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन, उपेक्षा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह प्रयास किया गया कि न केवल उनका स्वास्थ्य बेहतर हो, बल्कि उन्हें यह भी महसूस हो कि समाज उन्हें विस्मृत नहीं कर सकता।

फाउंडेशन की सोच यही रही कि बुजुर्ग केवल देखभाल के पात्र नहीं हैं, बल्कि वे अनुभव, परंपरा और संस्कारों के वाहक हैं। इसलिए उनका सामाजिक, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना संपूर्ण समाज की जिम्मेदारी है।

"हेल्थ सेवा एट योर होम" – एक नई शुरुआत

इस कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक थी सेहत साथी कार्यक्रम – 'हेल्थ सेवा एट योर होम' की औपचारिक शुरुआत। इस पहल को उन वरिष्ठ नागरिकों को ध्यान में रखकर शुरू किया गया, जिन्हें किसी भी कारणवश नियमित रूप से चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ नहीं मिल पाता। उम्र के इस पड़ाव में चलना-फिरना कठिन हो जाता है, और ऐसे में घर बैठे स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर में समाज के 75 वरिष्ठ नागरिकों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। यह न केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया थी, बल्कि एक स्नेहिल संवाद भी था, जहाँ बुजुर्गों ने अपने मन की बातें साझा कीं। यह शिविर उनके लिए एक ऐसा मंच बना जहाँ उन्हें संवेदना, सहानुभूति और विशेषज्ञ सलाह एक साथ प्राप्त हुई।

चिकित्सा परामर्श एवं सुझाव



स्वास्थ्य शिविर का संचालन वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. गौतम द्वारा किया गया, जिन्होंने न केवल बुजुर्गों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की, बल्कि उन्हें जीवनशैली संबंधी उपयोगी सलाह भी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बढ़ती उम्र में नियमित योग, प्राणायाम, संतुलित आहार, दवा समय पर लेना, और समय-

समय पर स्वास्थ्य जांच कराना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य पर भी विशेष बल दिया और कहा कि अकेलापन, निराशा और तनाव जैसी स्थितियों से बाहर निकलने के लिए परिवार और समाज को मिलकर बुजुर्गों के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए। इस सत्र ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को न केवल ज्ञान से समृद्ध किया, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी जगाया।



सांस्कृतिक कार्यक्रम – संगीत में सजी संवेदना

इस आयोजन की विशेषता केवल स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं रही। कार्यक्रम में मनोरंजन और सांस्कृतिक रंग भी भरपूर देखने को मिला। आस्था एंटरटेनमेंट्स के कलाकारों ने मनोज कुमार के नेतृत्व में एक से बढ़कर एक मनमोहक गीतों की प्रस्तुति दी। इन गीतों में केवल संगीत नहीं था, बल्कि भावनाएं, यादें और प्रेरणा समाहित थीं।

जब मंच से पुराने हिन्दी फिल्मों के लोकप्रिय गीत गूंजे, तो बुजुर्गों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई। कुछ ने गुनगुनाना शुरू किया, तो कुछ ने ताली बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। यह पल उनके लिए मनोरंजन से कहीं अधिक था – यह एक भावनात्मक जुड़ाव था, जिसने उन्हें फिर से जीवन का स्वाद चखाया।

उद्घाटन एवं विशिष्ट अतिथियों की भूमिका



स्वास्थ्य जांच एवं सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम

दस्तावेज प्रभात प्रतिनिधि पटना। सिकसटी प्लस केयर एंड रिसर्च फाउंडेशन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, समाज में उनके मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखने तथा फाउंडेशन से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से 'स्वास्थ्य जांच एवं सामाजिक सुरक्षा' कार्यक्रम का आयोजन वेली रोड अंबेडकर पथ के रामजी पैलेस में किया गया।

कार्यक्रम में उन बुजुर्गों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिन्हें नियमित डाक्टरों सुविधा तक पहुंच नहीं मिल पाती। इसी को ध्यान में रखते हुए सहयोगी संस्था के सहित साथी कार्यक्रम "हेल्थ सेवा एट योर होम" की विधिवत शुरुआत की गयी जिसके अंतर्गत आयोजित शिविर में समाज के 75 वरिष्ठ नागरिकों का मुफ्त स्वास्थ्य जांच किया गया एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. गौतम ने बुजुर्गों को स्वस्थ जीवन के लिए उपयोगी सुझाव भी दिए। कार्यक्रम की सांस्कृतिक प्रस्तुति में आस्था एंटरटेनमेंट्स के कलाकारों ने मनोज कुमार के नेतृत्व में विभिन्न सुमधुर एवं रंग-बिरंगे गीतों की प्रस्तुति दी, जिससे न केवल माहौल जीवंत बना, बल्कि बुजुर्गों को भी संगीत के प्रति प्रेरणा मिली। इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन डॉ. अरुण कुमार मणी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रणजीत सिंह, विश्वरंजन, मिथिलेश सिन्हा, कृष्णा मुखर्जी, श्री प्रदीप कुमार सिन्हा, उमेश प्रसाद वर्मा, उपेन्द्र शर्मा, उदय कुमार सिन्हा, राजीव रंजन आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सामुदायिक स्तर पर फाउंडेशन के इस प्रयास की भरपूर सराहना की गई और लोगों ने इसे एक सकारात्मक एवं संवेदनशील पहल बताया जो आने वाले समय में और अधिक प्रभावशाली सिद्ध होगी।

कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन डॉ. अरुण कुमार मणी द्वारा किया गया, जो सामाजिक कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं और हमें याद दिलाते हैं कि बुजुर्गों के अनुभवों और योगदान को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

कार्यक्रम को सफल बनाने में रणजीत सिंह, विश्वरंजन, मिथिलेश सिन्हा, कृष्णा मुखर्जी, प्रदीप कुमार सिन्हा, उमेश प्रसाद वर्मा, उपेन्द्र शर्मा, उदय कुमार सिन्हा और राजीव रंजन सहित कई समर्पित व्यक्तित्वों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इन सभी ने कार्यक्रम के आयोजन, समन्वय और संचालन में अपनी-अपनी भूमिका निभाई, जिससे यह पहल एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकी।

सामाजिक प्रतिक्रिया और प्रभाव

समाज के विभिन्न वर्गों ने इस कार्यक्रम की भरपूर सराहना की। न केवल प्रतिभागी बुजुर्गों ने इसे एक आत्मीय अनुभव बताया, बल्कि युवा वर्ग और सामाजिक संस्थाओं ने भी इसे एक 'संवेदनशील सामाजिक पहल' के रूप में देखा। यह माना गया कि यदि ऐसे कार्यक्रम लगातार होते रहें, तो बुजुर्गों के जीवन में न केवल सुधार आएगा, बल्कि पूरे समाज में बुजुर्गों के प्रति दृष्टिकोण भी अधिक मानवीय और संवेदनशील बनेगा। यह कार्यक्रम न सिर्फ

तत्काल लाभ देने वाला था, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव डालने की क्षमता भी रखता है। इससे यह उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में और भी संस्थाएं इस दिशा में कार्य करेंगी और बुजुर्गों के लिए व्यापक कल्याणकारी योजनाएं बनेंगी।

बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं

इस कार्यक्रम ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि बुजुर्ग केवल देखभाल के नहीं, बल्कि सम्मान के पात्र हैं। उनकी सेवा करना, उनकी बात सुनना, उन्हें समय देना और उन्हें यह एहसास दिलाना कि वे अकेले नहीं हैं – यह केवल नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक सामाजिक संस्कार है।



सिक्सटी प्लस केयर एंड रिसर्च फाउंडेशन का यह प्रयास समाज को यह सिखाता है कि विकास का असली मापदंड वही है, जहाँ बुजुर्गों को उनका हक, सम्मान और सुविधा मिलती हो। यह कार्यक्रम एक संदेश है कि बुजुर्ग समाज का बोझ नहीं, बल्कि उसकी पूंजी हैं – और उनके स्वास्थ्य, सम्मान एवं सामाजिक सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरे समाज की है।

यदि ऐसे प्रयास निरंतर होते रहें, तो निश्चित ही हम एक ऐसा समाज बना सकेंगे, जहाँ उम्र बढ़ने का मतलब अकेलापन नहीं, बल्कि अनुभवों की परिपक्वता और समाज से मजबूत जुड़ाव होगा। यही सच्चा सामाजिक विकास है।

XXXXXXXXXXXXXXXXXXXX